an>

Title: Need to declare Dughdeswarnath Temple at Rudrapur in Deoria district, Uttar Pradesh as a tourist place and provide basic facilities at the temple site.

श्री कमलेश पासवान (बासगाँव) : मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहूँगा कि हमारे संसदीय क्षेत्र बाँसगाँव के अन्तर्गत विधान सभा रूद्रपुर जनपद देवरिया में दुग्धेश्वरनाथ मंदिर पूर्वी उत्तर प्रदेश सहित पश्चिम बिहार का महत्वपूर्ण पर्यटक व दार्शनिक स्थल है जिसके चलते रूद्रपुर नगर को काशी का दर्जा प्राप्त है। यहाँ पर स्वयंभू शिवलिंग को महाकालेश्वरनाथ उज्जैन का उपज्योर्तिलिंग माना गया है जिसक उल्लेख पदमपुराण शिवपुराण में भी मिलता है। देश के शैव उपासना के बारह केन्द्रों में बाबा विश्वनाथ और बैजनाथ धाम की तरह पूर्वांचल का दुग्धेश्वरनाथ धाम महाकालेश्वनाथ उज्जैन मध्य प्रदेश का साक्षात दर्शन है। पुराण के अनुसार यहाँ समान धरातल के 20 फीट नीचे अवतरित स्वयंभू लिंग उज्जैन के महाकाल लिंग के सदृश्य कहा गया है। पदमपुराण में उल्लिखित "महाकालस्य यदि लिंग दुग्धेश मिति विश्रुतम" का अर्थ महाकाल के सदृश्य यह लिंग दुग्धेश्वरनाथ् के नाम से जाना जायेगा। इस स्थान का वर्णन चीनी यात्री ह्वेनसांग व एलेक्जेंडर ने अपनी यात्रा वृतान्तों में किया है। पुरातत्व विभाग लखनऊ के अनुसार मंदिर का निर्माण दसवी शताब्दी के पूर्व हुआ है।

इस मंदिर पर प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। श्रावणमास-मलमास व शिवरात्रि को लाखों लोग दर्शन व पूजा के लिए यहां आते हैं। यहां मूलभूत सुविधाओं का काफी अभाव है तथा यहाँ आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

मैं केन्द्र सरकार से माँग करता हूँ कि दुग्धेश्वरनाथ मंदिर रूद्रपुर को पर्यटक स्थल घोषित कर आर्थिक सहयोग देकर सभी मूलभूत सुविधाएं विकसित करायी जाए।